



नवग्रह वाटिका- संस्कृति और पर्यावरण का समन्वित उद्यान

नीलम ठाकुर और शबनम

हरित अवसंरचना

नवग्रह वाटिका जैव विविधता संरक्षण, पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक भूदृश्य स्वरूप का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। देसी, जलवायु-सहिष्णु एवं पारिस्थितिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों को एक विषयाधारित संरचना में सम्मिलित कर यह मॉडल परागणकर्ताओं को संरक्षण प्रदान करता है, पर्यावास विविधता को बढ़ाता है, मृदा स्थिरता में सुधार करता है तथा शहरी हरित आवरण को सुदृढ़ बनाता है। अपने पारिस्थितिक महत्व के साथ-साथ नवग्रह वाटिका पारंपरिक सांस्कृतिक ज्ञान एवं आधुनिक सतत विकास अवधारणाओं के बीच सेतु का कार्य करती है। एक बहुआयामी हरित अवसंरचना मॉडल के रूप में इसे शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक उद्यानों, मंदिर परिसरों एवं सामुदायिक स्थलों पर प्रभावी रूप से विकसित किया जा सकता है। इस प्रकार, नवग्रह वाटिका जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता एवं सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक पहल है।

नवग्रह वाटिका एक विषयाधारित उद्यान मॉडल है, जो सांस्कृतिक प्रतीकवाद एवं पारिस्थितिकीय कार्यक्षमता का अनूठा समन्वय प्रस्तुत करता है। इसकी अवधारणा नौ खगोलीय पिंडों (नवग्रहों) को विशिष्ट पौधों से जोड़ने की पारंपरिक मान्यता पर आधारित है। परिदृश्य निर्माण में इन पौधों को प्रायः गोलाकार अथवा मंडलाकार स्वरूप में योजनाबद्ध ढंग से लगाया जाता है, जो ब्रह्मांडीय सामंजस्य के साथ-साथ पारिस्थितिक संतुलन का भी प्रतीक माना जाता है। नवग्रह वाटिका में मुख्यतः देसी एवं बहुउद्देश्यीय पौधों को स्थान दिया जाता है। ये पौधे परागणकर्ताओं के संरक्षण, मृदा उर्वरता सुधार, कार्बन संचयन तथा विभिन्न जीवों के लिए आवास निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार, नवग्रह वाटिका केवल आस्था एवं परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि जैव विविधता संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा देने वाला एक वैज्ञानिक एवं पारिस्थितिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण मॉडल भी है।

स्थिरता, आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक चेतना का विकास भी माना जाता है।

सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व के साथ-साथ नवग्रह वाटिका जैव विविधता संरक्षण एवं देसी पौधों के संवर्धन का प्रभावी माध्यम भी है। नवग्रहों से जुड़े अधिकांश पौधे स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल, मौसम सहनशील एवं बहुउपयोगी होते हैं। ये मधुमक्खियों एवं तितलियों जैसे परागणकर्ताओं को संरक्षण प्रदान करवाते हैं, पक्षियों को आहार एवं आश्रय उपलब्ध कराते हैं तथा मृदा संरक्षण एवं सूक्ष्म जलवायु संतुलन बनाए रखने में सहायता करते हैं।

विशेष रूप से शहरी एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में नवग्रह वाटिका हरित आवरण बढ़ाने

नवग्रह वाटिका एक विषयाधारित उद्यान है, जो पारंपरिक भारतीय खगोलीय ज्ञान पर आधारित है। इसमें नवग्रहों (नौ ग्रहों) से संबंधित नौ पवित्र एवं पारिस्थितिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पादप प्रजातियों का सुनियोजित ढंग से रोपण किया जाता है। मान्यता है कि नवग्रहों से संबंधित वृक्षों का रोपण एवं नियमित संरक्षण संबंधित ग्रहों की सकारात्मक ऊर्जा को सुदृढ़ करता है, जिससे जीवन में संतुलन,

सुख एवं शुभ फल की प्राप्ति होती है। इन पवित्र वृक्षों की सेवा एवं संरक्षण से मानसिक



औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, थुनाग, गुड़ाहरी, गोहर, डॉ. वाई. एस. परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन, हिमाचल प्रदेश - 175028

नवग्रह वाटिका में ग्रहों से संबंधित पौधों का विवरण

के साथ पर्यावरण जागरूकता का जीवंत शैक्षिक मॉडल भी बनती है। यह पारंपरिक पर्यावरणीय ज्ञान को आधुनिक सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ते हुए जैव विविधता संरक्षण का एक व्यावहारिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

उपयुक्त स्थान

नवग्रह वाटिका की स्थापना मंदिर परिसरों, हर्बल उद्यानों, आयुर्वेद महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय परिसरों, जैव विविधता पार्कों तथा विद्यालयों के इको-क्लबों में प्रभावी रूप से की जा सकती है।

इसके अतिरिक्त, पंचायत स्तर पर विकसित पवित्र उपवन भी नवग्रह वाटिका स्थापना के लिए उपयुक्त स्थान हो सकते हैं। ऐसे स्थलों पर स्थापित नवग्रह वाटिकाएँ न केवल हरित आवरण एवं जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देती हैं, बल्कि पर्यावरण जागरूकता, पारंपरिक ज्ञान संरक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता को भी सुदृढ़ करती हैं।

परिदृश्य निर्माण मॉडल

नवग्रह वाटिका का सबसे आकर्षक एवं लोकप्रिय स्वरूप वृत्ताकार “मंडल” शैली पर आधारित होता है, जिसके केंद्र में एक खुला स्थान रखा जाता है। इस संरचना में नौ ग्रहों से संबंधित पौधों को त्रिज्यीय खंडों में इस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है कि वे ग्रहों की पारंपरिक स्थिति, ब्रह्मांडीय संतुलन एवं आध्यात्मिक सामंजस्य का प्रतीक बनें।

यह विन्यास न केवल सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक सौंदर्य को अभिव्यक्त करता है, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन को भी सुदृढ़ करता है।

सारणी: नवग्रह वाटिका से संबंधित पौध प्रजातियों का पर्यावरणीय महत्व

ग्रह	साधारण नाम	वैज्ञानिक नाम	पर्यावरणीय महत्व
सूर्य	मदार	कैलोट्रोपिस गिगेंटिया	सूखा सहिष्णु, परागणकर्ताओं को सहाय प्रदान करता है
चंद्रमा	पलाश	ब्यूटिया मोनोस्पर्मा	परागणकर्ताओं के लिए उपयोगी, मृदा उर्वरता में सहायक
मंगल	खैर	सेनेगलिया कैटेचू	नाइट्रोजन स्थिरीकरण एवं मृदा संरक्षण में सहायक
बुध	अपामार्ग	अचिरांथेस एस्पेरा	औषधीय महत्व की जड़ी-बूटी, भूमि आवरण प्रदान करती है
बृहस्पति	पीपल	फाइकस रेलिजिओसा	प्रमुख प्रजाति, पक्षियों एवं अन्य जीवों का आवास
शुक्र	गुलर	फाइकस रेसमोसा	फलभक्षी जीवों के लिए महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत
शनि	शमी	प्रोसोपिस सिनेरारिया	शुष्क क्षेत्रों में अनुकूल, मृदा संवर्धन में सहायक
राहु	दूर्वा घास	सिनोडोन डैक्टिलॉन	मृदा को बाँधने एवं कटाव नियंत्रण में उपयोगी
केतु	कुशा घास	डेस्मोस्टैक्या बिपिन्नाटा	मृदा स्थिरीकरण एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापन में सहायक

नवग्रह वाटिका के निर्माण में सॉफ्टस्केप एवं हार्डस्केप तत्वों का संतुलित और योजनाबद्ध समावेश आवश्यक है, ताकि यह केवल धार्मिक प्रतीकात्मक स्थल न रहकर एक समग्र एवं अनुभवात्मक उद्यान के रूप में विकसित हो सके। सॉफ्टस्केप के अंतर्गत प्रत्येक ग्रह से संबंधित पवित्र वृक्ष इसकी मूल संरचना तैयार करते हैं।

इनके साथ पुष्पीय पौधे, सुगंधित झाड़ियाँ, औषधीय प्रजातियाँ तथा छायादार वृक्ष लगाए जा सकते हैं, जो उद्यान की

पारिस्थितिकीय एवं सौंदर्यात्मक उपयोगिता को बढ़ाते हैं। मधुमालती जैसी पुष्पीय बेलों का प्रयोग परगोला अथवा वृक्षों के सहारे कर उद्यान को ऊर्ध्वाधर विस्तार एवं आकर्षक दृश्य प्रभाव प्रदान किया जा सकता है। वहीं, ग्राउंडकवर पौधों एवं देसी घासों का उपयोग मृदा संरक्षण, नमी बनाए रखने तथा जैव विविधता संवर्धन में सहायक होता है।

हार्डस्केप तत्वों में वृत्ताकार अथवा रेडियल पथ, प्राकृतिक पत्थरों से निर्मित वॉकवे, बैठने हेतु बेंच, ध्यान के लिए चबूतरे, ग्रह-प्रतीक शिलालेख, सजावटी मूर्तियाँ, फाउंटेन तथा बर्ड बाथ जैसी संरचनाएँ सम्मिलित की जा सकती हैं।

ये तत्व उद्यान की सौंदर्यात्मक आकर्षण क्षमता बढ़ाने के साथ आगंतुकों को विश्राम, अवलोकन एवं अध्यात्मिक चिंतन का अवसर भी प्रदान करते हैं। यदि संतुलन, एकता, अनुपात, लय एवं फोकल पॉइंट जैसे लैंडस्केपिंग सिद्धांतों का वैज्ञानिक ढंग से उपयोग किया जाए, तो नवग्रह वाटिका एक सामंजस्यपूर्ण, आकर्षक एवं जीवंत हरित स्थल के रूप में विकसित हो सकती है।

इस प्रकार, नवग्रह वाटिका आध्यात्मिक आस्था, पारिस्थितिक संरक्षण एवं मनोरंजनात्मक उपयोग का एक उत्कृष्ट समन्वित मॉडल प्रस्तुत करती है।

जैव विविधता संरक्षण में भूमिका

देसी प्रजातियों का संवर्धन: नवग्रह वाटिका में शामिल अधिकांश पौधे स्थानीय एवं क्षेत्रीय जलवायु के अनुकूल होते हैं। इससे इनके रखरखाव की आवश्यकता कम होती है तथा पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता एवं अनुकूलन क्षमता बढ़ती है।

पर्यावास एवं खाद्य शृंखला का समर्थन: फाइकस प्रजातियाँ वर्षभर पक्षियों एवं अन्य जीवों को फल उपलब्ध करवाकर महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत का कार्य करती हैं। वहीं, पलाश जैसी पुष्पीय प्रजातियाँ मधुमक्खियों एवं तितलियों जैसे परागणकर्ताओं को आकर्षित कर पारिस्थितिक संतुलन को सुदृढ़ बनाती हैं।

मृदा एवं सूक्ष्म जलवायु विनियमन: दूर्वा एवं कुशा घासों मृदा अपरदन को रोकने तथा मिट्टी की संरचना सुधारने में सहायक होती हैं। वृक्षों का घना आवरण तापमान नियंत्रित कर सूक्ष्म जलवायु को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है।

शैक्षिक एवं सामाजिक प्रभाव: नवग्रह वाटिका छात्रों, शोधकर्ताओं एवं समुदाय के लिए एक जीवंत प्रदर्शन इकाई के रूप में कार्य करती है। यह पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के साथ पारंपरिक पारिस्थितिकीय ज्ञान के संरक्षण एवं प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।